BAGNAN COLLEGE ESTD 1958 Bagnan Howrah

2025

SANSKRIT — MINOR

Paper : MN-4

(Sanskrit Drama)

Full Marks : 75

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Unit - I

(Marks : 25)

1. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः यथामति ***एकस्यो***त्तरं लेख्यनीयम्।
[নিম্নলিখিত প্রশ্নদ্বয়ের ***যে-কোনো একটির*** উত্তর লেখো।]

(a) शकुन्तला केन अभिशप्ता अभवत्? केन कारणेन तस्यै शापः वर्षितः? अभिशापस्यास्य वक्तव्यं समासतः लिखित्वा अस्य तात्पर्यं विचारणीयम्। 1+2+2+5

[শকুন্তলা কার দ্বারা অভিশপ্ত হয়েছিলেন? কেন তাঁর ওপর অভিশাপ বর্ষিত হয়েছিল? অভিশাপটির বক্তব্যটি সংক্ষেপে লিখে এই ঘটনার তাৎপর্য বিচার করো।]

(b) अभिज्ञानशकुन्तलमिति नाटकस्य कस्मिन्नङ्केऽस्ति हस्तिवृत्तान्तम्? वृत्तान्तमिदं संक्षेपेण आलोच्य अस्य नाटकीयं तातपर्यम् आलोच्यताम्। 1+4+5

['অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকের কোন্ অঙ্কে হস্তীবৃত্তান্তটি আছে? বৃত্তান্তটি সংক্ষেপে আলোচনা করে এই ঘটনার নাটকীয় তাৎপর্য আলোচনা করো।]

2. अधोलिखितयोः श्लोकयोः यथेच्छ***मेकस्य*** व्याख्या कार्या।
[নিম্নলিখিত শ্লোকদ্বয়ের ***যে-কোনো একটির*** ব্যাখ্যা লেখো।] 6×1

(a) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति॥

(b) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

3. अधोलिखितयोः वाक्ययोः यथेच्छ**मेकस्य** प्राकृतलिप्यन्तरं करणीयम्।

[নিম্নলিখিত বাক্যদ্বয়ের ***যে-কোনো একটির*** প্রাকৃতে লিপ্যন্তর করো।] 3×1

(a) हृदय, मा उत्ताम्य।

(b) ततः किं भवेत्?

4. अधोलिखितेषु यथामति ***प्रश्नत्रयस्य संस्कृतभाषया*** उत्तरं लेखनीयम्।

[নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির ***যে-কোনো তিনটির*** সংস্কৃত ভাষায় উত্তর দাও।]

(a) अभिज्ञानशकुन्तलम् इति नाटके कति अङ्काः सन्ति? तत्र नान्दीश्लोके कस्य स्तुतिः दृश्यते? 2

[অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটকে কটি অঙ্ক আছে? সেখানে নান্দীশ্লোকে কার স্তুতি করা হয়েছে?]

(b) विदूषकस्य नाम किम्? नाटकस्य प्रथमाङ्के तस्योपस्थितिः लक्ष्यते न वा? 2

[বিদূষকের নাম কী? নাটকের প্রথমাঙ্কে তার উপস্থিতি দেখা যায় কি?]

(c) 'परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे'— 'द्वे प्रतिष्ठे' इत्यनेन कयोः उल्लेखः? 2

['परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे'— 'द्वे प्रतिष्ठे' অংশের দ্বারা কাদের নির্দেশ করা হয়েছে?]

(d) दुष्यन्तस्य आगमनकाले महर्षिः कण्वः कुत्र किमर्थं गतवान्? 2

[দুষ্যন্তের আগমনকালে মহর্ষি কণ্ব কোথায় কেন গেছিলেন?]

(e) कदा कया च शकुन्तलायाः विवाहवृत्तान्तं महर्षिकण्वेन ज्ञातम्? 2

[শকুন্তলার বিবাহবৃত্তান্ত মহর্ষি কণ্ব কখন এবং কার দ্বারা অবগত হন?]

Unit - II

(Marks : 25)

5. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः यथामति ***एकस्योत्तरं*** लेखनीयम्।

[নিম্নলিখিত প্রশ্নদুটির ***যে-কোনো একটির*** উত্তর লেখো।]

(a) अभिज्ञानशकुन्तलम् इति नाटकस्य कस्मिन् अङ्के हंसपदिकायाः गीतं श्रूयते? सा का आसीत्? गीतस्य वक्तव्यमुल्लिख्य तस्य तातपर्यमालोच्यताम्।

[অভিজ্ঞানশকুন্তলম্ নাটকের কোন অঙ্কে হংসপদিকার গান শ্রুত হয়? তিনি কে ছিলেন? গানের বক্তব্য উল্লেখ করে তার তাৎপর্য্য আলোচনা করো।] 1+1+3+5

(b) राजा दुष्यन्तः कस्मिन् स्थाने सर्वदमनं प्रथमं दृष्टवान्? राजा तदा कुतः प्रत्यगच्छत्? पितापुत्रयोः परिचयपर्वणः विस्तारितं विवरणं ददातु। 2+1+7

[রাজা দুষ্যন্ত কোন্ স্থানে সর্বদমনকে প্রথমবার দেখেন? রাজা তখন কোথা থেকে প্রত্যাবর্তন করছিলেন? পিতাপুত্রের পরিচয়পর্বটির বিস্তারিত বর্ণনা দাও।]

6. अधोलिखितयोः वाक्ययोः कस्य***चिदेकस्य*** भावः सम्प्रसार्यताम्। 5×1

[নিম্নলিখিত বাক্যদুটির ***যে-কোনো একটির*** ভাবসম্প্রসারণ করো।]

(a) भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैः।

(b) हंसो हि क्षीरमादत्ते तन्मिश्रा वर्जयत्यपः।

7. यथामति श्लोकस्यै***कस्य*** वङ्गानुवादः करणीयः। 5×1

[***যে-কোনো একটি*** শ্লোকের বঙ্গানুবাদ করো।]

(a) स्वप्नो नु माया नु मतिभ्रमो नु क्लिष्टं नु तावत्फलमेव पुण्यम्।
असन्निवृत्त्यै तदतीतमेते मनोरथा नाम तटप्रपाताः।।

(b) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्
पर्युत्सुको भवति यत् सुखितोऽपि जन्तुः।
तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपूर्वं
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि।।

8. यथेष्टं विषय***द्वय***मवलम्ब्य टीका रचनीया।

[***যে-কোনো দুটি*** বিষয় অবলম্বনে টীকা রচনা করো।] 2½×2

शार्ङ्गरवः, मातलिः, सानुमती, धनमित्रः।

Unit - III

(Marks : 25)

9. अधोलिखितयोः प्रश्नयोः यथामति ***एकस्यो***त्तरं लेख्यम्। 10×1

[নিম্নলিখিত প্রশ্নদ্বয়ের ***যে-কোনো একটি*** উত্তর লেখো।]

(a) स्वप्नवासवदत्तम् इति नाटकस्य प्रथमाङ्के समवतारितस्य ब्रह्मचारिवृत्तान्तस्य नाटकीयं तात्पर्यं विचार्यताम्।

[স্বপ্নবাসবদত্তম্ নাটকের প্রথমাঙ্কে উপস্থাপিত ব্রহ্মচারী বৃত্তান্তের নাটকীয় তাৎপর্য বিচার করো।]

(b) स्वप्नवासवदत्तमिति नाटकस्य नाम सार्थकं न वेति विशदं विचारणीयम्।

[স্বপ্নবাসবদত্তম্ নাটকটির নামকরণের সার্থকতা বিষয়ে বিস্তারিত বিচার করো।]

10. अधोलिखितयोः श्लोकयोः यथेष्ट***मेकस्य*** व्याख्या कार्या। 6×1

[নিম্নলিখিত দুটি শ্লোকের ***যে-কোনো একটি*** ব্যাখ্যা করো।]

(a) गुणानां वा विशालानां सत्काराणां च नित्यशः।
कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः।।

(b) सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेत् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्॥

11. यथामति श्लोकस्यैकस्य वङ्गानुवादः करणीयः। 5×1

[*যে-কোনো একটি* শ্লোকের বঙ্গানুবাদ করো।]

(a) यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम्।
अथायं विभ्रमो वा स्याद् विभ्रमो ह्यस्तु मे चिरम्॥

(b) परिहरतु भवान् नृपापवादं न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति॥

12. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं **द्वयोः** उत्तरं **संस्कृतभाषया** लेखनीयम्।

[নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির *যে-কোনো দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।]

(a) कः आसीत् प्रद्योतमहासेनः? स कस्य देशस्य राजा आसीत्? 1+1

[প্রদ্যোত্মহাসেন কে ছিলেন? তিনি কোন্ দেশের রাজা?]

(b) उदयनस्य राज्यं केन राज्ञा विजितम्? राज्यपुनरुद्धारार्थं कः सचेष्टोऽभवत्? 1+1

[কোন্ রাজা উদয়নের রাজ্য জয় করে নিয়েছিলেন? রাজ্য পুনরুদ্ধারের জন্য কে সচেষ্ট হন?]

(c) वासवदत्ता कस्यै न्यासरूपेण प्रदत्ता? किमासीत् तदा तस्याः नाम? 1+1

[বাসবদত্তা কার কাছে ন্যাসরূপে রক্ষিত হয়েছিলেন? সেই অবস্থায় তাঁর নাম কী ছিল?]

(d) स्वप्नवासवदत्तम् इति नाटके कति अङ्काः सन्ति? तत्र कस्मिन् अङ्के स्वप्नदृश्यस्य अवतारणा दृश्यते? 1+1

[স্বপ্নবাসবদত্তম্ নাটকে ক'টি অঙ্ক রয়েছে? সেখানে কোন্ অঙ্কে স্বপ্নদৃশ্যের অবতারণা করা হয়েছে?]